भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.03.2026 के

तारांकित प्रश्न सं. 271 का उत्तर

पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर पैदल पार पुल का अभाव

***271. श्री सुधाकर सिंह:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल के अंतर्गत डुमरांव रेलवे स्टेशन तथा पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के अंतर्गत कर्मनाशा और महमूदगंज रेलवे स्टेशनों पर पैदल पार पुल न होने के कारण यात्रियों को प्लेटफार्म पार करते समय गंभीर कठिनाइयों और दुर्घटनाओं के जोखिम की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त रेलवे स्टेशनों पर प्रतिदिन ग्रामीण यात्रियों, महिलाओं, बुजुर्गों और छात्रों की बड़ी संख्या को देखते हुए सुरक्षित पैदल यात्री पारगमन सुविधाओं की व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त तीनों स्टेशनों पर पैदल पार पुलों के निर्माण के लिए कोई सर्वेक्षण किया गया है/प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और स्वीकृति प्रदान की गई है;

(घ) यदि हां, तो उक्त प्रस्तावों की वर्तमान स्थिति क्या है और इस संबंध में कब तक कार्रवाई किए जाने की संभावना है; और

(ङ) यदि नहीं, तो उक्त स्टेशनों को पैदल पार पुलों के निर्माण के लिए प्राथमिकता सूची में शामिल न किए जाने के क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 11.03.2026 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 271 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): पूर्व मध्य रेलवे के डुमराँव, कर्मनाशा और मोहम्मद गंज रेलवे स्टेशनों पर ऊपरी पैदल पुल उपलब्ध हैं। ब्यौरा निम्नानुसार है:

स्टेशन	ऊपरी पैदल पुल का ब्यौरा
डुमराँव	एक ऊपरी पैदल पुल मौजूद है और एक अतिरिक्त ऊपरी पैदल पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।
कर्मनाशा	एक ऊपरी पैदल पुल मौजूद है और एक अतिरिक्त ऊपरी पैदल पुल के निर्माण की योजना बनाई गई है।
मोहम्मद गंज	एक ऊपरी पैदल पुल मौजूद है और एक अतिरिक्त ऊपरी पैदल पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

बिहार में स्थित पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल के डुमराँव स्टेशन और झारखंड में स्थित पूर्व मध्य रेलवे के पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के मोहम्मद गंज स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित करने के लिए चिह्नित किया गया है। डुमराँव और मोहम्मद गंज स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं।

डुमराँव स्टेशन पर प्लेटफार्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, ऊपरी पैदल पुल आदि सुविधाएं उपलब्ध हैं। नए स्टेशन भवन, नए प्लेटफार्म, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग और अतिरिक्त ऊपरी पैदल पुल के निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं। मौजूदा ऊपरी पैदल पुल के प्रतिस्थापन के लिए भी कार्य स्वीकृत कर दिया गया है।

मोहम्मद गंज स्टेशन पर अधिक ऊंचाई वाले प्लेटफार्म, प्लेटफार्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, ऊपरी पैदल पुल आदि की सुविधाएं उपलब्ध हैं। मोहम्मद गंज स्टेशन पर पूरे किए गए कार्यों में शामिल हैं:

- नया स्टेशन भवन
- प्लेटफॉर्म संख्या 1, 2/3 और 4/5 की ऊंचाई बढ़ाना और विस्तार करना
- मुख्य प्रवेश द्वार की दिशा में परिचलन क्षेत्र और पार्किंग

इसके अलावा, कैनोपी, प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म की सतह का निर्माण, शौचालय ब्लॉक, प्रवेश द्वार और अतिरिक्त ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिया गया है।

बिहार में स्थित पूर्व मध्य रेलवे के पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के कर्मनाशा स्टेशन पर अधिक ऊंचाई वाले प्लेटफार्म, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, ऊपरी पैदल पुल, दिव्यांगजन हेतु शौचालय आदि उपलब्ध हैं। एक अतिरिक्त ऊपरी पैदल पुल के निर्माण की भी योजना बनाई गई है।

इसके अलावा, भारतीय रेल में ऊपरी पैदल पुल के प्रावधान सहित स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक निरंतर और सतत प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य उनकी पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार शुरू किए जाते हैं। स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/स्टेशन की दशा/स्टेशन पर संभाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल के डुमराँव स्टेशन सहित 98 स्टेशन बिहार में स्थित हैं और पूर्व मध्य रेलवे के पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के मोहम्मद गंज स्टेशन सहित 57 स्टेशन झारखंड में स्थित हैं।

बिहार और झारखंड में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के मंडल-वार नाम इस प्रकार हैं:

राज्य	मंडल	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	आसनसोल	1	सिमुलतला
	दानापुर	21	आरा, बख्तियारपुर, बरहिया, बाढ़, बिहार शरीफ, बिहिया, बक्सर, चौसा, डुमरांव, फतुहा, जमुई, जहानाबाद, लखीसराय जंक्शन, मोकामा, नवादा, पाटलिपुत्र, पटना जंक्शन, रघुनाथपुर, राजेंद्र नगर टर्मिनल (पटना), राजगीर, तरेगना
	धनबाद	1	पहाड़पुर
	कटिहार	7	अररिया कोर्ट, बरसोई जंक्शन, कटिहार जंक्शन, किशनगंज, लाभा, सालमारी, ठाकुरगंज
	मालदा	9	बांका, भागलपुर, जमालपुर जंक्शन, कहलगांव, मुंगेर, पीरपैंती, सबौर, शिवनारायणपुर, सुल्तानगंज
	पंडित दीन दयाल उपाध्याय	12	अनुग्रह नारायण रोड, भभुआ रोड, बिक्रमगंज, डेहरी ऑन सोन, दुर्गावती, गया, गुरारू, कुदरा, नबीनगर रोड, पीरो, रफीगंज, सासाराम
	समस्तीपुर	25	बनमनखी, बापूधाम मोतिहारी, बेतिया, चकिया, दरभंगा, दौरम मधेपुरा, ढोली, घोड़ासहन, जनकपुर रोड, जयनगर, झंझारपुर, लहेरिया सराय, मधुबनी, मोतीपुर, मुजफ्फरपुर जंक्शन, नरकटियागंज जंक्शन, रक्सौल, सगौली, सहरसा, सकरी, सलौना, समस्तीपुर, सिमरी बख्तियारपुर, सीतामढ़ी, सुपौल
	सोनपुर	16	बरौनी, बेगूसराय, भगवानपुर, दलसिंह सराय, दिघवारा, हाजीपुर जंक्शन, करहागोला रोड, खगड़िया जंक्शन, लखमीनिया, महेशखुंट, मानसी जंक्शन, नौगछिया, राम दयालु नगर, साहिबपुर कमाल, शाहपुर पटोरी, सोनपुर जंक्शन।
	वाराणसी	6	छपरा, एकमा, मैरवा, मसरख, सीवान, थावे

झारखंड	आद्रा	3	भागा, बोकारो स्टील सिटी, चांडिल
	आसनसोल	10	बासुकीनाथ, देवघर, दुमका, गिरिडीह, जामताड़ा, जसीडीह जंक्शन, कुमारदुबी, मधुपुर जंक्शन, शंकरपुर, विद्यासागर
	चक्रधरपुर	9	बड़जमदा जंक्शन, चाईबासा, चक्रधरपुर, डांगोवापोसी, गम्हरिया, मनोहरपुर, राजखरसावां, सिनी, टाटानगर
	धनबाद	13	बरकाकाना, चंद्रपुरा, डाल्टनगंज, धनबाद, गढ़वा रोड, गढ़वा टाउन, हजारीबाग रोड, कतरासगढ़, कोडरमा जंक्शन, लातेहार, एनएससीबी जंक्शन गोमो, नगर ऊंटारी, पारसनाथ
	हावड़ा	1	पाकुड़
	खड़गपुर	1	घाटसिला
	मालदा	3	गोड्डा, राजमहल, साहिबगंज
	पंडित दीन दयाल उपाध्याय	3	हैदर नगर, जपला, मोहम्मद गंज
	रांची	14	बालसिरिंग, बानो, गंगाघाट, गोविंदपुर रोड, हटिया, लोहरदगा, मुरी जंक्शन, नामकोम, ओरगा, पिस्का, रामगढ़ कैंट, रांची जंक्शन, सिल्ली, टाटीसिलवे

<u>स्टेशन जहां कार्य पूरा कर लिया गया है:</u>

बिहार और झारखंड में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं तथा बिहार और झारखंड में निम्नलिखित स्टेशनों पर कार्य पूरे कर लिए गए हैं:

गोड्डा, गोविंदपुर रोड, लोहरदगा, मधुपुर जंक्शन, मुरी जंक्शन, पीरपैंती, पिस्का, राजमहल, साहिबगंज, शंकरपुर और थावे।

अन्य स्टेशनों पर विकास के लिए कार्यकलाप भी अच्छी गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

बिहार:

- चौसा स्टेशन: नए स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है। परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, लिफ्ट, 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल, चिनाई और नए स्टेशन भवन के प्लास्टर का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- दुर्गावती स्टेशन: प्लेटफॉर्म सं. 1/2 और 3/4 की ऊंचाई बढ़ाने और विस्तार करने तथा शौचालय ब्लॉक के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। स्टेशन भवन के सुधार, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह का निर्माण, प्रतीक्षालय में सुधार, शौचालय ब्लॉक, परिचलन क्षेत्र, मुख्य प्रवेश द्वार की दिशा में पार्किंग, लैंडस्केपिंग, प्रवेश द्वार, दिव्यांगजनों के लिए स्पर्शनीय पथ और 3 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।
- रघुनाथपुर स्टेशन: स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र, लिफ्ट और 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।
- बारसोई जंक्शन स्टेशन: पुराने क्वार्टरों को तोड़ने और जनोपयोगी सुविधाओं के स्थानांतरण के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।
- किशनगंज स्टेशन: प्लेटफॉर्म सं. 1 और 2 पर प्लेटफॉर्म सतह का निर्माण, प्लेटफॉर्म सं. 1 और 2 पर पीने के पानी के नल, परिचलन क्षेत्र में सुधार, द्वितीय प्रवेश द्वार पर पार्किंग, पहुंच मार्ग और चारदीवारी के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। बागवानी और 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

झारखंड:

- **डाल्टनगंज स्टेशन: प्लेटफॉर्म सं. 1, 2 और 3 की ऊंचाई बढ़ाने और विस्तार करने तथा शौचालय परिसर के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। स्टेशन भवन के सुधार, प्रांगण, प्लेटफार्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र, दुपहिया, तिपहिया और चौपहिया वाहनों की पार्किंग, पहुंच मार्ग, चारदीवारी और 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**
- **गढ़वा रोड स्टेशन: प्लेटफॉर्म सं. 1, 2 और 3 की ऊंचाई बढ़ाने और सतह का निर्माण करने के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। स्टेशन भवन के सुधार, प्रांगण, प्लेटफार्म शेल्टर, शौचालय परिसर, दुपहिया, तिपहिया और चौपहिया वाहनों की पार्किंग, पहुंच मार्ग, चारदीवारी, प्रवेश/निकास द्वार और 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**
- **हैदर नगर स्टेशन: मुख्य प्रवेश द्वार की दिशा में परिचलन क्षेत्र और लैंडस्केपिंग के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। स्टेशन भवन के सुधार, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह का निर्माण, प्रतीक्षालय में सुधार, शौचालय ब्लॉक, मुख्य प्रवेश द्वार की दिशा में पार्किंग, दिव्यांगजनों के लिए स्पर्शनीय पथ और 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू दिए गए हैं।**
- **जपला स्टेशन: नए स्टेशन भवन और लैंडस्केपिंग के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। मौजूदा स्टेशन भवन के सुधार, प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म सतह का निर्माण, प्रतीक्षालय में सुधार, शौचालय ब्लॉक, परिचलन क्षेत्र, मुख्य प्रवेश द्वार की दिशा में पार्किंग, प्रवेश द्वार और 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**
- **नगर उंटारी स्टेशन: प्रतीक्षालय, प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म सतह का निर्माण, पार्किंग, पहुंच मार्ग और 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

अमृत भारत स्टेशन में स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल हैं। इस मास्टर योजना में शामिल हैं:

- **स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार**
- **स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण**
- **स्टेशन भवन में सुधार**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान**
- **लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान**
- **प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार/सतह का निर्माण और प्लेटफॉर्म पर कवर की व्यवस्था**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान**
- **पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों के साथ एकीकरण**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान।**

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध और व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियां अपेक्षित होती हैं। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप

लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

राज्य सरकारों, संसद सदस्यों, केंद्र सरकार के मंत्रालयों, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, रेलवे की अपनी आवश्यकताओं, संगठनों/रेल उपयोगकर्ताओं आदि की मांगों के आधार पर रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों, मंडल कार्यालय आदि सहित विभिन्न स्तरों पर, देश भर में रेल परियोजनाओं/निर्माण कार्यों हेतु औपचारिक और अनौपचारिक, दोनों प्रकार के प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव/अभ्यावेदन प्राप्त होते हैं। ऐसे प्रस्तावों/अनुरोधों/सुझावों/अभ्यावेदनों की प्राप्ति एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है तथा इनकी जांच की जाती है और व्यवहार्य तथा उचित पाए जाने पर समय-समय पर कार्रवाई की जाती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार।

बिहार राज्य चार क्षेत्रीय रेलों नामतः पूर्व रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे तथा पूर्वोत्तर रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ₹1,828 करोड़ का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) ₹1,584 करोड़ का व्यय उपगत किया गया है।

झारखंड तीन क्षेत्रीय रेलों नामत: पूर्व रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे तथा दक्षिण पूर्व रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए, वित्त वर्ष 2025-26 में ₹1,469 करोड़ का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) ₹1,292 करोड़ का व्यय उपगत किया गया है।

*****